बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १८ जून, २००६)

(समय : दोपहर १२:०० से १:३०) | **सत्संग प्रवेश - २** | **कुल प्राप्तांक : ७५**

नोंध : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवेश - प्रथम आवृत्ति, जून १९९७

प्रश्न.१. निम्न विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (८ गुण)

१. ''पहेले कुरसीयाँ निकलवा दीजिए, पश्चात् हम पधरामणी में चले ।'' ३१
२. ''हमारे गाँव में और हमारी सिवान में किसी को भी लेने के लिए यमदूत न आवे ।'' ५८
३. ''गंगाराम मल्ल और सुन्दरजी बढई को भी यह बात कहना ।'' ३७
४. ''हाँ, हमने देखा है, वहाँ दूर पड़ा है ।'' १४

प्रश्न.२. निम्न विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) (६ गुण)

१. सच्चिदानंद स्वामी को श्रीजीमहाराज ने विमुख कर दिया । ६४
२. जालमसिंह बापु के दरबार में जो भी छोटे बड़े जीव हैं, वे जब शरीर छोड़ेगे तब वे अक्षरधाम जाएँगे । ६८
३. प्रबोधिनी एकादशी का दिन सम्प्रदाय में बहुत महत्त्व पूर्ण है । ४४

प्रश्न.३. निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) (५ गुण)

१. स्नेहभर्या नयणे - कीर्तन में किए गए घनश्याम और नीलकंठ के चरित्र का वर्णन । ७७
२. जालमसिंह बापु । ६७
३. महाराज के प्रभु । १८

प्रश्न.४. निम्न प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । (५ गुण)

१. सच्चे गुरु की प्राप्ति कब होती है ? २७
२. दुबली भट्ट ने बाँधी हुई कितनी गाँठे खोली ? ३८
३. महाराज ने काशीदास को कितने महीने तक गढपुर में रोक रखा था ? ३३
४. झमकूबा किसके साथ वडनगर तक पहुँची ? ५६
६. देवजीभाई का लडका किसके दर्शन सर्वत्र और सर्वदा किया करता था ? २५

प्रश्न.५. प्रह्लादजी ने..... (७६) - **'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखिए । अथवा (४ गुण)**
वचनामृत गढडा प्रथम प्रकरण - ६ (६०) **का विवरण लिखिए ।**

प्रश्न.६. निम्न कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (१० गुण)

१. जीव अनंतना ..... देह धरी प्रभु । ३५
२. गंगा पापं शशी तापं ..... सन्तो महाशयाः । ६५
३. निर्विकल्प उत्तम ..... धर्मकुमार । २२
४. न ह्यम्मयानि ..... देव साधवः । ६५
५. न ह्यम्मयानि ..... देव साधवः । श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए । ६५

विभाग-२ : शास्त्रीजी महाराज - प्रथम आवृत्ति, जून १९९७

प्रश्न.७. निम्न विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (६ गुण)

१. ''आपके ये सब साधु बहक गए हैं ।'' २७
२. ''अब यह पत्थर नहीं गिरेगा, उपर चढ़ा दो ।'' ७६
३. ''आपके साधु हमारे लड़के को भगा ले जाते हैं ।'' १४

प्रश्न.८. निम्न विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) (६ गुण)

१. अदाश्री ने स्वामीश्री को राजकोट बुलवाया । ६८
२. स्वामीश्री को गढडा की ज़मीन मिली । ९५
३. रणछोड भगत ने योगीजी महाराज को अडसठ तीरथवाला भजन गाने के लिए कहा । ८०

प्रश्न.९. निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) (५ गुण)

१. आपत्तिओं का आरंभ । (४३) २. दिव्य समाधि । (८२) ३. गृहत्याग । (१७)

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १८ जून, २००६. परीक्षा - सत्संग प्रवेश - २. माध्यम - हिन्दी. समय - दोपहर १२:०० से १:३०)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

४०२

परीक्षार्थी की अटक :

परीक्षार्थी का नाम :

पिता / पति का नाम :

परीक्षा स्थल का नाम :

परीक्षार्थी की सही :

परीक्षा दी वह दिनांक :

परीक्षा दी तब का समय :

बैठक क्रमांक : | | | | | | |

केंद्र नंबर : | | | | |

केंद्र का नाम :

नोंध : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगतों को भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

प्रश्न.१०. निम्न प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । **(६ गुण)**

१. ठाकुरसाहब ने राधाकृष्ण की मूर्तियों की प्रतिष्ठा के लिए क्या निवेदन किया ? ७२
२. मूर्तिप्रतिष्ठा के कार्य के लिए वढवाण जानेवाले हरिभक्तों को स्वामीश्री ने क्या कहा ? ४७
३. हीराभाई के सत्संगी हो जाने पर गोरधनभाई ने क्या कहा ? ६०
४. मोरलीधरदास को अनादर सा था, इस बात को सुनकर भगतजी ने क्या कहा ? ३०
५. सदगुरु बालमुकुंददासजी स्वामी ने वडताल में क्या कहा ? ६६
६. डुंगरभाई के माता-पिता के नाम क्या थे ? २

प्रश्न.११. निम्न विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) की निशानी करें । **(८ गुण)**

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही की निशानी की होगी तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. अटलादरा में मन्दिर का आदर । ८८
   (१) ☐ मूलु मेतर और कृष्ण माली जहाँ पर रहते थे, वह जगह प्रसादी की है ।
   (२) ☐ हीराभाई बोचासण के मथुरभाई के समान थे ।
   (३) ☐ वह जगह मिलती है तो वहाँ अवश्य मंदिर बनवायेंगे ।
   (४) ☐ मगनभाई ने वह जगह स्वामीश्री को अर्पण की ।
२. स्वामीश्री के हितचिंतक कोठारी गोरधनभाई । ४६
   (१) ☐ आप अब डभोई में रहकर सत्संग कीजिए ।
   (२) ☐ यहाँ के साधु आपका सर्वनाश करने के लिए आमाद हुए है ।
   (३) ☐ यहाँ के साधु आपका प्रताप कतई नहीं सह सकते ।
   (४) ☐ आप अपनी प्रवृत्ति कम कर दे तो अच्छा होगा ।
३. शास्त्रीजी महाराज ने किस किस को समाधि करवाई थीं ? ८२, ८३
   (१) ☐ योगीजी महाराज । (२) ☐ नंदकिशोरदास ।
   (३) ☐ राधारमणप्रसाद । (४) ☐ निर्गुणदास स्वामी ।
४. कृष्णजी अदाने स्वामीश्री से की हुई बातें । ५५
   (१) ☐ श्रीजीमहाराज ने शिक्षापत्री में देशकाल के अनुसार व्यवहार करने की आज्ञा दी है ।
   (२) ☐ आपको यहाँ रहना ही नहीं चाहिए ।
   (३) ☐ आपके टुकड़े कर देंगे तो उसे वापस जोड देंगे ।
   (४) ☐ वरताल मंदिर का दरवाज़ा छोडना नहि ।

प्रश्न.१२. नीचे दिए हुए वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । **(६ गुण)**

१. आसुरी बुद्धिवालों ने स्वामीश्री को बड़े चूल्हे में फेंक देने की योजना बनाई । ५३
२. शास्त्रीजी महाराज का जन्म चाणसद गाँव में हुआ था । २
३. जागा भक्त ने कहा, 'यह तो दिल की सफाई का साधन है ।' ३३
४. गढडा मध्य प्रकरण २७ वचनामृत में सन्त के लक्षण वर्णित किए गए हैं । १००
५. विश्वनाथभाईने कहा, ''स्वामीश्री भागवत जितनी अच्छी तरह समझा सकते हैं, उतनी अच्छी तरह शायद श्रीधर स्वामी भी नहीं समझा सकते हैं ।'' ९०
६. गला भक्त और अक्षरेश स्वामी पत्थरों को फूल की तरह उठाकर फेंक देते थे । ७५

नोंध : (१) उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १६ जुलाई, २००६ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं ।

(२) '' सत्संग प्रवेश - २'' की परीक्षा में'' सत्संग प्रारंभ'' परीक्षा के पुस्तकों में से जो टूंकनोंधे पूछी जाती थी वह सन २००६ और उसके बाद नहीं पूछी जाएगी । उसके बदले'' सत्संग प्रवेश - २'' परीक्षा के पुस्तकों में से ही प्रश्न पूछे जाऐंगे ।